जीविका
ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार

जीविका समाचार पत्रिका

।। माह – अप्रैल 2021 ।। अंक–09 ।। केवल आंतरिक वितरण हेतु।।

अन्दर के पृष्ठों में...

स्वयं सहायता समूह अभियान से मधु को मिली नई पहचान (पृष्ठ – 02)

माननीय मुख्यमंत्री के पत्र के लिए उन्हें कोटि–कोटि धन्यवाद (पृष्ठ – 03)

बिहार दिवस पर जीविका दीदियों के नाम माननीय मुख्यमंत्री का पत्र (पृष्ठ – 04)

पोषण परिचर्चा एवं सम्मान समारोह

बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य में आवश्यक सुधार के लिए जीविका का प्रयास जारी है। परियोजना अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों और उनके ग्राम संगठनों द्वारा समुदाय में स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जागरूकता अभियान और व्यवहार परिवर्तन के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों के अपेक्षित परिणाम भी मिलने लगे हैं। स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में निरन्तर कार्य कर रही कैडर मास्टर संसाधन सेवी (एम.आर.पी), समुदायिक पोषण संसाधन सेवी (सी.एन.आर.पी) और पोषण सखी के रूप में भी जाने जाते हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं और किशोरियों के व्यवहार में परिवर्त्तन लाना और उन्हें स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए जागरूक करते हुए सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने और शिशु मृत्यु दर के आंकड़ों में कमी लाना बड़ी बात है।

इस कार्य को चुनौती के रूप में लेते हुए उसे सफल बनाने वाली मास्टर संसाधन सेवी (एम.आर.पी), समुदायिक पोषण संसाधन सेवी (सी.एन.आर.पी) और पोषण सखियों को सम्मानित करने के उदेश्य से पोषण परिचर्चा–सह–सम्मान कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड कार्यक्रम क्रियान्वयन इकाई एवं जिला परियोजना समन्वयन इकाई द्वारा किया गया। जिला स्तर के बाद पोषण परिचर्चा–सह–सम्मान कार्यक्रम राज्य स्तर पर भी होना है। पोषण परिचर्चा एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम के तहत सम्मानित जीविका दीदियों ने जीविका में जुड़ने के बाद अपने जीवन में आये बदलाव एवं खुद उनके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण माह के तहत किये जा रहे कार्य बताये। इस क्रम में साबुन से हाथ धुलाई के तरीके, पोषण बगीचा, विविध आहार को लेकर जागरूकता अभियान, लाभार्थियों के चयन हेतु गृह भ्रमण, पोषण शपथ, आहार प्रदर्शन, स्तन पान और प्रशिक्षण आदि विषयों पर चर्चा हुई। तत्पश्चात स्वास्थ्य एवं पोषण अभियान अंतर्गत बेहतर कार्य करने के लिए प्रखंड एवं जिला स्तर पर विभिन्न कैडर को सम्मानित भी किया गया।

प्रखंड और जिला स्तर पर मास्टर संसाधन सेवी (एम.आर.पी), समुदायिक पोषण संसाधन सेवी (सी.एन.आर.पी) और पोषण सखियों को सम्मानित किया गया। साथ ही साथ बेहतर नेतृत्व प्रदान करने के लिए ग्राम संगठनों और संकुल स्तरीय संघों को भी सम्मानित किया गया। इन कार्यक्रमों में बतौर अतिथि प्रखंड और जिला स्तर के अधिकारियों के साथ ग्राम संगठन और संकुल स्तरीय संघ के पदाधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

कर्तव्य पथ की यात्री :वंदना बौद्ध

कुछ बेहतर करने और उसके लिए सीखने की ललक व्यक्ति के सपनों को साकार करने में सहायक होती है। ग्रामीण महिलाओं ने इसी ललक से अपने सपनों को साकार किया तथा औरों के लिए भी संबल बनी। इसके कई उदाहरण हैं। बक्सर जिला अंतर्गत नवानगर प्रखंड स्थित सोनवर्षा गाँव की वंदना बौद्ध। ग्रेजुएट वंदना बौद्ध ग्रामीण महिलाओं को गीत गायन के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों के साथ ही स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक करती हैं। वे ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों को साबुन से हाथ धुलाई के तरीके, पोषण बगीचा, विविध आहार को लेकर जागरूकता अभियान, लाभार्थियों के चयन हेतु गृह भ्रमण, पोषण शपथ, आहार प्रदर्शन, स्तन पान आदि मुद्दों पर जागरूक करते हुए व्यवहार परिवर्तन के लिए भी प्रेरित करती हैं। अब तक वे कई महिलाओं एवं युवतियों को स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक करते हुए प्रशिक्षित भी कर चुकी हैं। वंदना वर्ष 2017 से शंकर स्वयं सहायता समूह से बतौर सी.एम जुड़ी हैं। 13 स्वयं सहायता समूहों के साथ काम करती रही। साथ ही वे गाँव की लड़कियों को सिलाई– कटाई का प्रशिक्षण भी देती हैं। इस कार्य से मिली राशि से वे अपने बच्चों को शिक्षित कर रही हैं। इनके द्वारा किये गए बेहतर कार्य की वजह से इनका चयन एम.आर. पी के रूप में जुलाई 2019 में हुआ। तब से वह गीत–गायन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों को पारिवारिक आहार विविधिता अभियान के अंतर्गत पिछले ढ़ाई साल से प्रशिक्षित एवं जागरूक कर रही हैं। प्रखंड एवं जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों में प्रखर वक्ता के रूप में भाग लेती हैं। इस वर्ष उन्हें पोषण परिचर्चा सह सम्मान कार्यक्रम में जिले की सर्वश्रेष्ठ कैडर के रूप में सम्मानित किया गया है। वे कहती हैं कि जीविका ने मुझे खुशी दी है मैं उन सभी महिलाओं के चेहरे पर खुशी लाने की कोशिश कर रही हूँ जो समाज में आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़ी हैं।

स्वयं सहायता समूह अभियान से मधु को मिली नई पहचान

कहते हैं कि अगर आपमें कुछ करने का जूनून हो तो कोई भी बाधा आपको आगे बढ़ने से रोक नहीं सकती है। पूर्णियाँ जिला के बड़हरा कोठी प्रखण्ड अंतर्गत बासुदेवपुर पंचायत के हरिराही गाँव की निवासी 41 वर्षीया मधु देवी ने पिछले एक दशक में सभी बाधाओं को तोड़ते हुए स्वयं के साथ–साथ हजारों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में कामयाबी हासिल की है। आठवीं तक पढ़ी मधु देवी कभी दूसरों के यहाँ मजदूरी करती थीं। अब वे दूसरे राज्यों में महिलाओं को प्रशिक्षण देती हैं।

24 फरवरी 2008 को मधु लक्ष्मीं जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी एवं कोषाध्यक्ष चुनी गईं। 29 दिसंबर 2008 को विजयलक्ष्मी जीविका महिला ग्राम संगठन का गठन हुया तब मधु देवी ग्राम संगठन का अध्यक्ष चुनी गईं। 27 सितंबर 2012 को अर्पण जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ का गठन हुआ तो मधु देवी को संकुल संघ का सचिव बनाया गया।

इस बीच मधु देवी को उनके समूह के गतिविधियों मे सक्रियता को देखते हुए जीविका परियोजना द्वारा वर्ष 2009 में सामुदायिक संसाधन सेवी अर्थात सी॰आर॰पी॰ कार्य हेतु चयनित किया गया। प्रशिक्षण के बाद अकसर उन्हें समूह गठन के लिए सी॰आर॰पी॰ के रूप में दूसरे प्रखंडों एवं जिलों में जाकर कार्य करने का अवसर मिलने लगा । वर्ष 2014 में वह समूह बनाने के लिए बिहार से बाहर, असम राज्य में गईं। उसके बाद से उसने सी॰आर॰पी॰ के रुप में झारखंड,राजस्थान,उत्तर प्रदेश, असम एवं अरुणाचल प्रदेश में गईं एवं दीदियों को प्रेरित कर कई समूह, ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघ बनाने के साथ–साथ उनका प्रशिक्षण का कार्य भी किया। वह पूर्णियाँ स्थित रेणु जीविका प्रशिक्षण एवं शिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण पुल की सदस्य हैं जहाँ वे समय–समय पर दीदियों को प्रशिक्षण देती हैं।

उसने शराब बंदी अभियान, मतदाता जागरुकता अभियान, खुले में शौच मुक्ति अभियान, जल–जीवन–हरियाली अभियान में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेकर समाज के लोगों को जागरुक करने का कार्य किया। मास्क निर्माण में भी उसने अपना योगदान दिया।

बुलंद इरादों से मिली सफलता

बिहार के वैशाली जिला के गौरौल प्रखंड की निवासी प्रियंका कुमारी के परिवार में कुल पांच सदस्य हैं। प्रियंका का पूरा परिवार उनके घर में कमाने वाले एकमात्र सदस्य उनके पिता की आय पर निर्भर था जो एक किसान हैं। यह आय उनके परिवार को चलाने के लिए पर्याप्त नहीं था। आशावादी और कर्मठ बेटी होने के नाते प्रियंका ने अपने गांव से बुनियादी शिक्षा पूरी की और 2016 में 12 वीं पास की। वह अपने गांव में आदर्श मानी जाने लगीं।

अब प्रियंका को नौकरी की तलाश थी। तभी जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी सदस्यों ने प्रियंका को बताया कि जीविका द्वारा रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देश भर की कई कंपनियां आ रहीं हैं जो योग्यता एवं रूचि के अनुसार युवाओं का चयन करेगी। प्रियंका ने भी नौकरी पाने हेतु रोजगार मेला में अपना पंजीकरण कराया। रोजगार मेले में प्रियंका का चयन रिटेल सेल्स एसोसिएट्स ट्रेड के लिए हाजीपुर स्थित डीडीयू –जीकेवाई के विजन इंडिया सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड प्रशिक्षण केंद्र में रोजगार परक नि :शुल्क प्रशिक्षण के लिए हुआ।

तीन महीने के सफलतापूर्वक प्रशिक्षण के उपरांत वह आज I Energizer कंपनी में कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव के पद पर नोएडा में कार्य कर रही हैं। वर्त्तमान में प्रियंका को प्रति माह 8500/– रु मिल रहा है। इस अमदनी से प्रियंका अपने खर्चों के साथ अपने परिवार को भी आर्थिक मदद प्रदान कर रही हैं।

माननीय मुख्यमंत्री के पत्र के लिए उन्हें कोटि-कोटि धन्यवाद

सुपौल जिले के पिपरा प्रखंड स्थित नई दिशा जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ के कार्यालय में सुबह से बड़ी संख्या में जीविका दीदियाँ पहुंच रही थीं। दरअसल आज बिहार दिवस के अवसर पर बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने जीविका दीदियों के नाम पत्र लिखा है। सीएलएफ की दीदियां इसी पत्र को प्राप्त करने एवं उसे पढ़ने के लिए नई दिशा सीएलएफ कार्यालय में उपस्थित हुई हैं। दीदियां इस बात से काफी उत्साहित नजर आ रही हैं कि माननीय मुख्यमंत्री ने बिहार दिवस के अवसर पर उनके नाम से पत्र लिखा है। यह गर्व की बात है कि बिहार की उन्नति एवं खुशहाली में जीविका दीदियों के योगदान को बिहार के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा रेखांकित किया गया है। यह किसी प्रमाणपत्र से कम नहीं है। बैठक में नई दिशा सीएलएफ की अध्यक्ष संगिता देवी, सचिव अनिता देवी एवं कोषाध्यक्ष रानी देवी के अलावा पिपरा प्रखंड के बीपीएम, सीएलएफ की मास्टर बुक कीपर अंजुली कुमारी, सीएलएफ के निदेशक मंडल की सदस्य दीदियां एवं अन्य कर्मी उपस्थित हुए। बैठक शुरू होते ही सबसे पहले सीएलएफ की अध्यक्ष संगीता देवी ने वहां उपस्थित सभी दीदियों को माननीय मुख्यमंत्रीजी के पत्र के बारे में जानकारी दी। प्रखंड से प्राप्त हुए इस पत्र को सीएलएफ की एमबीके अंजुली कुमारी ने पढ़कर सभी को सुनाया। सीएलएफ की अध्यक्ष दीदी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की विशेष पहल की वजह से ही आज बिहार के ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी महिलाएं इतनी जागरूक एवं सक्रिय हो सकी हैं। उन्होंने कहा कि जीविका की वजह से बिहार की महिलाएं आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त हुई हैं। वहां उपस्थित सीएलएफ की अन्य दीदियों ने भी पत्र को पढ़ा एवं पत्र लिखने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद दिया।

बिहार दिवस पर जीविका दीदियों के नाम माननीय मुख्यमंत्री का पत्र

22 मार्च को बिहार दिवस के अवसर पर बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने समस्त जीविका दीदियों के नाम पत्र लिखकर उन्हें बिहार दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं दी। बिहार के माननीय मुख्यमंत्री ने माना कि बिहार की उन्नति और खुशहाली में जीविका दीदियों का विशेष योगदान है। पत्र के माध्यम से उन्होंने कहा कि राज्य की आधी आबादी–यानी महिलाओं–में–जो जागृति आई है उसमें जीविका की उल्लेखनीय भूमिका रही है। महिलाओं में जागृति आने से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक क्रियाकलापों को बल मिला है। इसके साथ ही राज्य में व्याप्त सामाजिक बुराइयों जैसे– बाल विवाह, दहेज प्रथा आदि को कम करने सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर पहुंचाने में भी मदद मिली है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर जीविका परियोजना की शुरुआत की गई थी। उस दिन यह तय किया गया था कि बिहार में 10 लाख जीविका स्वयं सहायता समूहों का गठन हो। अबतक बिहार में 10 लाख से अधिक जीविका स्वयं सहायता समूहों का गठन कर इससे 1 करोड़ 20 लाख से ज्यादा महिलाओं को जोड़ा गया है। इन समूहों से जुड़कर महिलाएं न केवल सामाजिक रूप से संगठित हुई हैं बल्कि वे आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। पत्र के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री ने कहा है कि सरकारी योजनाओं में जीविका की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कई नयी पहल की गई हैं। जीविका समूहों को जिला एवं अनुमंडल अस्पतालों में मरीजों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने एवं सरकारी स्कूलों में छात्र–छात्राओं के लिए पोशाक तैयार करने की जिम्मेदारी भी दी जा रही है। वहीं जल–जीवन–हरियाली के तहत बनाए गए पोखर एवं तालाबों को मछली पालन के लिए जीविका समूहों को नि:शुल्क दिया जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री ने अपने पत्र के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों के उत्थान एवं विकास के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में विस्तार से चर्चा की है।

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जीविका दीदियों के नाम लिखे पत्र को प्रत्येक जीविका दीदियों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। जिला प्रशासन की ओर से जीविका दीदियों की कुल संख्या के बराबर मुद्रित पत्र एवं एक–एक लिफाफा उपलब्ध कराया गया। इसके बाद प्रत्येक जिले में जीविका के जिला कार्यालय द्वारा इसका वितरण प्रत्येक प्रखंड परियोजना क्रियान्वयन इकाई को किया गया। तदुपरान्त ये पत्र जीविका के संकुल स्तरीय संघ के माध्यम से प्रत्येक ग्राम संगठन एवं स्वयं सहायता समूह तक वितरित किए गए। इस प्रकार समस्त जीविका दीदियों के बीच इन पत्रों को वितरित किया जाना आसान हो पाया। बिहार दिवस के अवसर पर प्रत्येक संकुल स्तरीय संघ में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जीविका दीदियों के नाम लिखे पत्रों की प्रति वितरित की गई एवं मास्टर बुक कीपर या सीएलएफ की अध्यक्ष दीदी के द्वारा इसे पढ़कर सुनाया गया। इसके बाद सभी दीदियों ने माननीय मुख्यमंत्री के पत्र पर चर्चा करते हुए जीविका दीदियों के संबंध में लिखी बातों के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद ज्ञापन किया। सभी दीदियों ने स्वीकार किया कि राज्य सरकार की विशेष पहल से ही जीविका समूहों का गठन संभव हुआ और आज बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं समूहों से जुड़कर लाभान्वित हो रही हैं।

जीविका, बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति, विद्युत भवन – 2, बेली रोड, पटना – 800021, वेबसाइट : www.brlps.in

संपादकीय टीम
- श्री ब्रज किशोर पाठक – विशेष कार्य पदाधिकारी
- श्रीमती महुआ राय चौधरी –कार्यक्रम समन्वयक (जी.के.एम.)
- श्री पवन कुमार प्रियदर्शी – परियोजना प्रबंधक (संचार)

संकलन टीम
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, समस्तीपुर
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, पूर्णियां
- श्री बिप्लव सरकार – प्रबंधक संचार, कटिहार
- श्री विकास कुमार राव – प्रबंधक संचार, सुपौल
- श्री रौशन कुमार – प्रबंधक संचार, बक्सर
- श्री मनीष कुमार – प्रबंधक संचार, वैशाली